आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

मूल्य ₹ 4.50

भाषायी पत्रकारिता की प्रासंगिकता हमेशा बनी रहेगी : फडणवीस

▪ मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के स्मारिका विमोचन समारोह में बोले सीएम

ब्यूरो | मुंबई

देश की आजादी की लड़ाई में हिंदी सहित भाषायी अखबारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। व्यक्ति सारी संपन्नता हासिल करने के बाद अपनी जड़ों की ओर मुड़ता है। इसलिए भाषायी पत्रकारिता का वजूद कभी खत्म नहीं होगा। यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कही। वे मुंबई हिंदी पत्रकार संघ की तरफ से आयोजित स्मारिका विमोचन व परिचर्चा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा- भाषायी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही राष्ट्रीय एकता और अखंडता का निर्माण करने और अपनी संस्कृति के प्रति लगाव पैदा करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया है, इसलिए भाषायी पत्रकारिता की प्रासंगिकता हमेशा बनी रहेगी। होटल ट्राइडेंट में आयोजित 'भाषायी पत्रकारिता की प्रासंगिता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मौके पर मुख्यमंत्री ने मुंबई हिंदी पत्रकार संघ की पहली स्मारिका 'संवाद' का विमोचन किया।

15 वर्षों से मुंबई वालों को दिखाना चाहता था नागपुर

फडणवीस ने कहा-मैं 15 वर्षों से मुंबई वालों को नागपुर दिखाने की कोशिश कर रहा था। इसके पहले मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के महासचिव विजय सिंह कौशिक ने कहा- महाराष्ट्र में हिंदी के विकास में मराठीभाषियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हिंदी पत्रकारों को मिलेगा आशियाना

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह ने मुंबई हिंदी पत्रकार संघ को कार्यालय उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री से मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा- सरकार की तरफ से हम संघ को आशियाना उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश करेंगे। समारोह के विशिष्ठ अतिथि योगायतन ग्रुप के अध्यक्ष डा राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- हिंदी पत्रकारिता में ऐसे-ऐसे संपादकों को देखा है, जिनसे देश के बड़े-बड़े नेता भी भयभीत होते थे। उन्होंने कहा कि भाषायी पत्रकारिता की प्रासंगिकता को कोई खतरा पैदा नहीं हो सकता।

ताकतवर है भाषायी पत्रकारिता

गोष्ठी में पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार संतोष भारतीय ने कहा- मुझे इस बात का गर्व है कि मैं हिंदी का पत्रकार हूं। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता में वह ताकत है कि वह अपनी बात देशवासियों तक पहुंचा सके। संतोष भारतीय ने बताया कि जब मैं हिंदी पत्रिका में था, तो मेरी खबरें अंग्रेजी में अनुवाद कर छापी जाती थी। वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र ने कहा- हमें भाषायी पत्रकारिता की कमियों को खोजने और उसे दूर करने की जरूरत है जिससे भाषायी पत्रकारिता की प्रासंगिकता पर विचार करने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमें यह समझाने की कोशिश हो रही है। भाषायी होना, क्षेत्रीय होना एक अपराध की तरह है। इसीलिए हमें हिंदी अखबारों के साथ ग्लैमर के चार पेज छापने पड़ रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार प्रसाद काथे ने कहा- मैं मराठी भाषी हूं लेकिन 15 वर्षों तक हिंदी न्यूज चैनल के लिए काम किया।

भारत संचार नि
कार्या. जीएम (एमएम-सीएफ
भारत संचार भवन, एचसीएम लेन,